

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्री रादिराजयति कृतं
॥ श्री लक्ष्मी आर्यावृतम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री लक्ष्मी आर्यावृत्तम् ॥

आर्यावृत्तं रिचित्रनार्यास्सा जगति सौभगंरकरी।
रार्याकाशाद्यखिला भूर्यारद्वार्यते रंरया देर्या ॥ 1 ॥

ऊनीलय मन्नयने रंरं मन्ये लक्ष्मि लोकमान्यासि।
चिन्मयसुभगारयरे कर्मकरः स्यामहं च त्र कमितुः ॥ 2 ॥

मन्नाथजननि मनोज्ञेहहं ममतारहितयोगिकुलमहिते।
दृङ्गलमुन्मुलय मे सम्यक् श्रीकृष्णमूर्तिमीक्षेहहम् ॥ 3 ॥

कल्मषखण्डनशीले रम्यकपोले सरोजमुधि सुतनो।
अम्लानपद्महस्ते निर्मलमच्छफुरीक्षतां कृष्णम् ॥ 4 ॥

पूरं त्रिगुणमयी या सरं कार्यं करोति या पश्चात्।
चारं बुजाक्षदीक्षादक्षं मेहक्षीह सा रमा कुर्यात् ॥ 5 ॥

रश्यां यस्याः सकलं दृश्यां यस्याः समस्तमपि रिश्रम्।
नश्यांसु या न नश्येत् क्लिश्यांसु च या कदाहपि न क्लिश्यात् ॥ 6 ॥

ञ्जप्तेः करणानि च षट्पङ्कक्तेहेतुभूतकरणानि।
बुध्यैर्युर्कृत्यं सिध्येद्वै तत्कलं च यत्कृपया ॥ 7 ॥

सा श्रीराश्रितरक्षादीक्षा दुक्कर्मशिक्षणे च पटुः।
अश्रास्यं हि दिदृक्षाः मेहक्ष्णास्तद्वीक्षणोत्सरं दद्यात् ॥ 8 ॥

सङ्गीतसाङ्गरेदा मङ्गलदेरी मनोज्ञसरङ्गी।
भङ्गादिदोषरहिता तं गुणराशिं ममेक्ष्येत्स्वपतिम् ॥ 9 ॥

শক্তিঃ সংরিৎস্ফুৰ্তিমূৰ্তীঃ প্রবৃতিশ্চ যদ্রশে নিত্যম্।
শক্তা ংরমের সুজনোদ্ধর্তী তং চেৎপ্রদর্শযস্ব পতিম্ ॥ 10 ॥

কুণ্ডলরত্নতিলকলসনাসামণিকণ্ঠসূত্রহারধরা।
অঙ্গদকঙ্কণকাঞ্চীসৎকণ্ঠকপীতরসনরশনাভা ॥ 11 ॥

সদ্রত্নখচিতকিঙ্কিণিমুদ্রাগৈরৈযনুপুরাদিরুচা।
ভদ্রোদ্যাদিন্দুরদনা যযা মে মধ্বররদমীক্ষযতু ॥ 12 ॥

যা দেবী নিজরমণস্যাঙ্কগতা পশ্যতি স্ম তং সততম্।
তস্যাঃ স্ততিমিতি কৃতরান্ কৃষ্ণদৃগর্থী স রাদিরাজযতিঃ ॥ 13 ॥

॥ শ্রী লক্ষ্মী আৰ্যাবৃত্তং সমাপ্তম্ ॥